



Ms balvindar kaur

01 Sep 1984

12:45 PM

Nagpur

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 119187301

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 119187301

Date: 22/08/2025

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 01/09/1984
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 12:45:00 घंटे
इष्ट _____: 17:00:25 घटी
स्थान _____: Nagpur
राज्य _____: Maharashtra
देश _____: India
अक्षांश _____: 21:10:00 उत्तर
रेखांश _____: 79:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:13:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:31:48 घंटे
वेलान्तर _____: 00:00:01 घंटे
साम्पातिक काल _____: 11:14:22 घंटे
सूर्योदय _____: 05:56:49 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:29:06 घंटे
दिनमान _____: 12:32:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 15:23:17 सिंह
लग्न के अंश _____: 17:27:42 वृश्चिक

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:
चैत्रादि संवत / शक _____: 2041 / 1906
मास _____: भाद्रपद
पक्ष _____: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 7
तिथि समाप्ति काल _____: 28:27:18
जन्म तिथि _____: 7
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: विशाखा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 16:41:06 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: विशाखा
सूर्योदय कालीन योग _____: ऐन्द्र
योग समाप्ति काल _____: 13:04:49 घंटे
जन्म योग _____: ऐन्द्र
सूर्योदय कालीन करण _____: गर
करण समाप्ति काल _____: 17:05:10 घंटे
जन्म करण _____: गर
भयात _____: 47:34:20
भभोग _____: 57:24:35
भोग्य दशा काल _____: गुरु 2 वर्ष 8 मा 15 दि

पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com

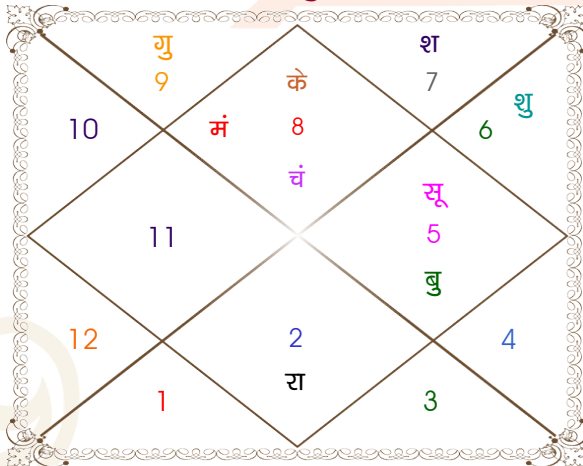
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	वृश्चिक	17:27:42	---	--	--	--	नेक
सूर्य	सिंह	15:23:17	मूलत्रिकोण	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	वृश्चिक	01:04:32	नीच राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	वृश्चिक	14:28:48	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
बुध	व सिंह	08:41:50	मित्र राशि	--	--	--	नेक
गुरु	धनु	09:29:46	स्वराशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	कन्या	06:28:14	नीच राशि	--	--	--	नेक
शनि	तुला	18:01:03	उच्च राशि	--	--	--	नेक
राहु	व वृष	07:39:06	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व वृश्चिक	07:39:06	मित्र राशि	--	--	हाँ	मन्दा

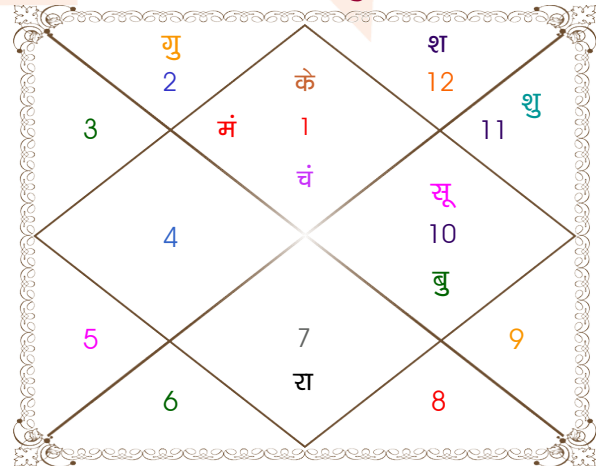
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	हाँ	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal

9852

harish.rattan15@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था की प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकती हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगी। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगी। आप बहुत वहम करेंगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता/ससुर से दूर हो सकती हैं। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्च पद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगी तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नज़र और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना, ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपना भेद किसी को भी न दें।
2. सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1. सिर पर सफेद या शरबती स्कार्फ/चुनरी रखें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से आपका जन्म आपके माता-पिता की तपस्या के बाद हुआ होगा या भगवान की मिन्नतें मांग-मांग कर या आपके जन्म से पहले कई भाइयों का जन्म हुआ होगा। आप सबको वशीभूत कर लेती हैं। आपका स्वभाव शांत और सुंदर होगा। सफेद कपड़े पहनने की शौकीन होंगी। आप विभिन्न भाषाओं की विद्वान होंगी। आपको पैतृक/ससुराल के मकान का सुख मिलेगा। आपको जीवन भर संपत्ति की कमी महसूस नहीं होगी। 28 वर्ष की उम्र में विवाह हो तो जीवन भर सुख मिलेगा। पराई अमानत पास रह जायेगी जिससे अमीर हो जाएंगी। जब तक माता जीवित

रहेंगी धन-दौलत का अभाव नहीं रहेगा। लंबी उम्र की मालकिन रहेंगी। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आपके जन्म के बाद पिता की माली-हालत अच्छी होगी। लम्बी आयु, कारोबार तथा धन लाभ के लिए शुभ होगा। बुढ़ापा उत्तम रहेगा। 24 या 27 साल की उम्र में अगर सफर करें तो सफर से वापस घर आकर मां/सास का आशीर्वाद लेने से माता/सास की आयु बढ़ेगी। 24 वर्ष की आयु से पहले मकान न बनावें।

यदि आपने 24 वर्ष आयु से पहले मकान बनाया होगा, 28 वर्ष आयु में विवाह किया और आपने नौकर से झगड़ा किया या गाय को कष्ट दिया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से पानी में डूबने का भय, मानसिक रोग, पुत्र सुख का अभाव, अति चिन्तित रहना, शारीरिक कमजोरी, आंख की पुतली खराब होना आदि परेशानियां हो सकती हैं। घर में बाग-बगीचा हो तो उजड़ा सा रहेगा, आपको दिल की बिमारियां हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. माता/सास या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. चांदी के गिलास में दूध-पानी आदि पियें।
2. बट के वृक्ष को कभी-कभी पानी डालें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में पहले खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से आप अंदर-बाहर एक जैसी, संतान सुख से युक्त, और प्रसन्न रहेंगी। आप विद्वान, शूरवीर, एवं साहसी होंगी। आप बुरे के साथ भी नेकी करेंगी। आप नेकी छोड़ने से कलंकिनी बन जाएंगी। आप परिवार के भाग्य को जगाने वाली हैं। आप साधू-सन्यासी की सेवा करेंगी। 18 वर्ष के बाद सरकारी सेवा में या सलाहकार के कामों में रुचि लेंगी। शत्रु से आप बचती रहेंगी। आप अगर नौकरी करती हैं तो 35-40 वर्ष की आयु तक ही नौकरी-व्यापार करेंगी। राज्य सरकार से लाभ मिलेगा। आप पलट कर आक्रमण करने वाली हैं। आपको छोटे बहन-भाई का सुख मिलेगा। आप 28 साल के बाद जीवन में उन्नति करेंगी। आप किसी की सच्चाई या नेकी को सदा याद रखेंगी। आपके उच्च पदाधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे। लोहा, लकड़ी तथा मकान के कामों में लाभ पाएंगी। परिवार के लोगों के साथ मिल कर काम करें तो बहुत अच्छा रहेगा। आपके मुंह से निकली बुरी बात का दूसरों पर बुरा असर होगा। आपका आशीर्वाद लोगों को फलेगा।

यदि आपने मुफ्त माल या दान लिया, जूठन खाया और झूठ बोला, माता/सास को कष्ट दिया या माता/सास का विरोध किया, अपशब्द बोलने की आदत हो तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से शारीरिक

कष्ट की आशंका है। मुफ्त की चीजें नहीं फलेंगी। आलस्य से कई बार आप अपने बने-बनाये काम बिगाड़ सकती हैं। मानसिक रोग या तनाव हो सकता है। दुर्घटना का भय है, अतः वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। आपकी माता/सास को आप्रेशन का भय है। भाई को परेशानी या आपको बहन के सुख का अभाव रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त का माल या दान न लेवें।
2. हाथी दांत घर में न रखें।

उपाय :

1. बड़ी बहन जीवित हो तो लाल रुमाल रखें।
2. भाई और पति के भाई की सेवा करें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप अपने विभाग में अधिकारी की प्रिय रहेंगी। आप व्यवहार कुशल, जीवन निर्वाह ठीक से करने वाली होंगी आप खुशामदी और नीतिशास्त्र में निपुण होंगी। आप लेखिका-संपादिका, अनेक विद्याओं की जानने वाली हो सकती हैं। ठेकेदारी के काम से धन कमाने वाली होंगी। आप पूरा धन कमाने वाली हैं। आप अव्वल दर्जे की खुशामदी होंगी। आप अपनी चिकनी चुपड़ी बातों से स्वार्थ साधना करेंगी। आप समुद्री यात्रा या विदेश की यात्रा अवश्य करेंगी। आप शरारती और मतलब परस्त होंगी। परंतु दूसरों के हां में हां मिलाने या खुशामद करने में माहिर होंगी। आप मीठी-मीठी बातें करके सबको मोहित कर लिया करेंगी। व्यापार करने से घर के लोगों की भी बरकत होगी। आप हुनरमंद और बेशर्म स्वभाव की हैं। 50 वर्ष की उम्र के बाद आपका जीवन अच्छा बीतेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार हो जाएगा।

यदि आपने मादक चीजों का प्रयोग किया, हरे रंग की बोतल में विदेशी शराब या परफ्यूम आपने घर में रखा, मछली का शिकार किया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से शराब-पीना और मांस खाना आपके लिए नुकसानदेह है। आपको अपनी नजर में दोष उत्पन्न हो सकता है। आप दूसरों के लिए बेवकूफ दोस्त के समान होंगी। आपकी दूसरों के साथ चालबाजी की आदत रहेगी। 48 वर्ष की आयु तक पिता/ससुर के सुख में अभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष या तुलसी-मनीप्लांट न लगावें।

2. शराब-मछली का सेवन न करें।
3. मछली का शिकार न करें या मछली न पकड़ें।

उपाय :

1. मजदूर पेशा व्यक्ति की सेवा करें।
2. मछलियों को भोजन का हिस्सा खिलायें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति दूसरे खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप गुरु का दायित्व निभाएंगी शिक्षा तथा ज्ञान फैला कर उनकी समस्याओं का हल निकाल लेंगी। आपका गृहस्थ जीवन सुखी होगा। दौलत बहुत आ जाएगी। सरकारी कामकाज के अवसर मिलेंगे। आप अपनी जायदाद खुद बनाएंगी। आपके पिता/ससुर के आशीर्वाद से आपकी दौलत में वृद्धि होगी। अगर आप सरकारी नौकरी करती हैं तो 27वें साल में सरकारी नौकरी में तरक्की होगी। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आप में हुकूमत करने की ताकत होगी और जीवन की हर मंजिल पर फतह पाएंगी। आपका कुछ बुरा होने वाला होगा उसके पहले आपको पता चल जाएगा। आपको अचानक दबा धन मिलने की संभावना है। आपको विद्या का बहुत लाभ मिलेगा। आपके पति सुंदर होंगे। आप जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी। आप बहादुर होंगी। खेती-बाड़ी या मिट्टी से संबंधित कामों में या कपड़े से संबंधित नौकरी-व्यापार में अच्छा लाभ होगा।

यदि आपने पति का विरोध किया, सर्राफी-जौहरी का काम किया, माता-पिता/सास-ससुर का विरोध किया या माता-पिता/सास-ससुर को कष्ट दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपकी नजर पर बुरा प्रभाव पड़ने की शंका है। बुढ़ापे में स्वास्थ्य झीक नहीं रहेगा और आर्थिक हालत अच्छी नहीं रहेगी। आपको दूसरे के झगड़े में पड़ने से नुकसान उठाना पड़ेगा। आप कुछ दुःखी रहेंगी ऐसी आशंका है। आप में बेरहमी भी होगी। पुलिस/कोर्ट से दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सर्राफी/जौहरी के काम न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. मकान में कच्चा हिस्सा जरूर रखें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपको कन्या संतान अधिक होगी। आपके पति दिखने में भोले-भाले परंतु काम धंधे में स्वभाव से अच्छे होंगे। शादी के बाद खूब आमदनी होगी। आपको कन्या सुख अधिक होगा। विलंब से पुत्र की प्राप्ति हो, ऐसी आशंका है। आपके ससुराल पक्ष के लोग सहायक होंगे और उनसे आपको लाभ होगा। आप में और आपके पति में सामान्य कामवासना रहेगी। आप पैसे के पीछे भागती रहेंगी। आप भोले स्वभाव की महिला होंगी। आपमें अच्छे गुण भी रहेंगे आप गुप्त कार्य करने की आदी हो जाएंगी। आप अपनी विचारधारा को शीघ्र बदल देंगी। इसके लिए धन पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा।

यदि आप परिवार में मुखिया बन कर रहीं, चाल-चलन खराब किया, अप्राकृतिक सैक्स किया, कामांध बन कर पाप किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपकी कामशक्ति कमजोर होगी। (किसी योग्य वैद्य/हकीम से सलाह करके आयुर्वेद दवाई लेना लाभदायक रहेगा)। आपके पति के हाथों धन की बरकत नहीं होगी या पति द्वारा धन हानि या अपव्यय होगा। सरकार द्वारा दंड-जेल यात्रा का भय, चाल-चलन आपका शक्की होगा। आप यदा-कदा मूर्खता भी कर बैठेंगी। आपका संतान पक्ष निर्बल रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. पति को घर का खजांची न बनाएं।
2. नौकरी-व्यापार बार-बार न बदलें।

उपाय :

1. पति से सरसों का तेल दान करायें।
2. विवाह समय कपिला गाय का दान करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के बारहवें खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आप पैसे की परवाह नहीं करेंगी और बेबाक खर्च करेंगी। पैतृक/ससुराल संपत्ति प्राप्त होगी। आप असहायों को सहारा देंगी और उजड़े को बसाएंगी। आपका कोई शत्रु नहीं होगा। आप धनवान और सुखी होंगी। आपकी जो भी इच्छा होगी देर-सबेर पूरी होगी। आपके पास विभिन्न प्रकार की जायदाद होगी। आपका जीवन आराम से बीतेगा। आपका परिवार खानदानी होगा। आपकी कमाई में बरकत होगी। आप अपने पिछले जन्म की इच्छाओं के अनुरूप कोई बड़ा कार्य संपन्न करेंगी। आप में साधना करने की कला विद्यमान है। आप मुखिया या नेता होंगी या ऐसा सम्मान प्राप्त हो यह संभावना है। आपकी आमदनी और सुख के लिए शुभकारक है। आपमें जरूरत से ज्यादा होशियारी रहेगी। आपको रात्रि में पूरा आराम और सुख प्राप्त होगा।

यदि आपने अगर प्लाट खरीद कर मकान बनाया, मकान के अंत में अंधेरा कमरा हो उसको रोशनी में बदला, झूठ को धर्म बनाया, दूसरे के माल पर नजर रखी तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से झूठ बोलना या शराब आदि का चस्का लग जाना बहुत हानिकारक हो सकता है। आप गुप्त रूप से कुछ धोखा-फरेब करने की आदी हो जाएंगी। आप झूठ बोलने वाली, चरित्रहीन पुरुषों से संबंध रखने वाली या शराब आदि का सेवन कर, अशुभ फल की भागी बनेंगी। जुबान का चस्का भी आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आंखों की नजर संबंधी दोष हो सकता है। एक से अधिक विवाह की आशंका है। आप कभी-कभी बहुत ज्यादा गुस्सा कर बैठती हैं जो बड़ा नुकसानदेह है। आप अपने पति की गुलाम होंगी। आप हर वक्त चालाकी करती रहेंगी। संतान सुख में विघ्न या संतान देरी से होगी। आप पर कत्ल या दीवानी मुकद्दमा चल सकता है। पुलिस/कोर्ट में जुर्माना या दण्ड का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परपुरुष से अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

उपाय :

1. तांबे के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. तख्त पोश पर शयन करें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के सातवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से 21 वर्ष के पहले या 29वें वर्ष विवाह हो जाए तो बुरे फल की आशंका बनती है। आपका संबंध राजनीतिज्ञों से रहेगा। अगर आप सरकारी विभाग में सेवारत हैं तो सरकारी विभाग में पदोन्नति एवं पुरस्कार मिलने की आशा है। धन और मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आप बिजली के काम, पुलिस या जेल विभाग की नौकरी से आजीविका चला सकेंगी। शेयर/लाटरी में दिवालिया हो सकती हैं। आपको कन्या संतान का सुख विवाह के बाद जल्द ही परंतु पुत्र सुख में विलंब हो सकता है। विदेश की यात्रा भी हो सकती है। आप जन्म स्थान से बाहर रह कर ही सुखी रह सकेंगी। आप अपने धन पर यदि नियंत्रण नहीं रख सकीं तो सगे-संबंधी निश्चित रूप से धन की क्षति करने में पीछे नहीं रहेंगे।

यदि आपने अपने पास दोहता रखा या कुत्ता पाला, समाज में बदनामी के कार्य किये, पति से मार-पीट की तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से भाई-बन्धु आपकी संपत्ति खा जाएंगे। भाई द्वारा भी आपके धन का दुरुपयोग हो सकता है। आपको साझेदारी के व्यवसाय, बिजली के सामान की दुकानदारी या व्यवसाय से हानि की आशंका है। पुलिस, जेल विभाग की नौकरी में धोखा-धड़ी

करेंगी तो आपकी आयु क्षीण होगी। पति से मन-मुटाव रह सकता है इसका कारण आपका शंकाग्रस्त रहना बताता है। पति से जुदाई, मुकद्दमेबाजी हो ऐसी शंका है। आपको राजदरबार से परेशानी या काम काज में रुकावट नहीं आएगी। जीवन में आपकी बदनामी भी हो सकती है। जीवन में संघर्ष रहेगा। पारिवारिक दशा बहुत अच्छी नहीं रहेगी। धन-संपत्ति एवं पति के सुख में अभाव रह सकता है। कोई गर्भपात संभव है। पति को सिरदर्द की बीमारी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर में कुत्ता न पालें।
2. पुलिस व जेल विभाग में काम न करें।

उपाय :

1. घर में 2 चांदी की ईंटें कायम करें।
2. नारियल का दान करें।
3. चांदी की डिब्बी में चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु पहले खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सुखी, धनी, मेहनती होंगी। आपकी तरक्की अधिक तबदीली कम रहेगी। आप अपने पिता/ससुर के लिए वरदान सिद्ध होंगी। आप पिता/ससुर की सेवा करेंगी। आप सरकारी विभाग में सेवारत होंगी तो अच्छी सरकारी आफिसर हो सकती हैं। यात्रा का आदेश पत्र प्राप्ति के बावजूद यात्रा न होगी। आपकी आजीविका निरंतर चलती रहेगी। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में भी हो सकता है। आपको शक्ति मिलेगी। आपके भाग्य में शुभ फल प्राप्त होगा। पति का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। माता/सास पर भी अच्छा ही प्रभाव रहना चाहिए। परंतु यह कोई जरूरी नहीं है कि माता/सास पर शुभ प्रभाव ही पड़े। आप लाखों का लेन-देन करेंगी परंतु धन जमा होने में आशंका है। आप गुरु-पिता की सेविका होंगी।

यदि आप अपने पिता/ससुर से दूर रहे, रिश्तेदारों को बर्बाद करने की कोशिश की या मकान को बिना कारण बेचा तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से जहां आपका जन्म होगा या रिश्तेदार तबाह हो जाएंगे। आपके मन में काल्पनिक फिक्क पैदा हो सकती है। पुत्र को कोई कष्ट उत्पन्न होगा। आप पर बुरा असर पड़ सकता है। आपकी गृहस्थी पर कुछ बुरा प्रभाव पड़े ऐसी आशंका है अर्थात् नाभि के नीचे की बीमारियां होंगी या आप को गुप्तांग में बीमारी हो सकती है। आपकी लंबी या विदेश की यात्रा बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ सकता है। आपको संतानोत्पत्ति की चिंता बनी रहेगी। पोते के जन्म के बाद सेहत खराब हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें या बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिर के मकान में रिहाईश न करें।

उपाय :

1. लाल रुमाल पास रखें।
2. काले-सफेद कुत्ते की सेवा करें।



पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्य आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृ ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतूतों का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृ ऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बीमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

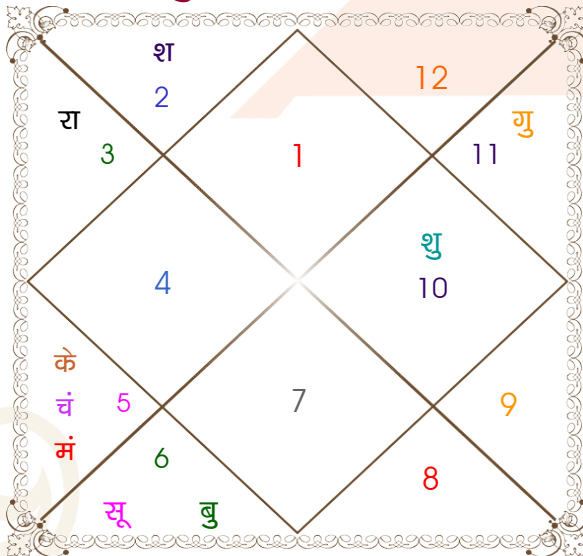
वर्तमान आयु - 42
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	हाँ	--	मन्दा
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	हाँ	मन्दा

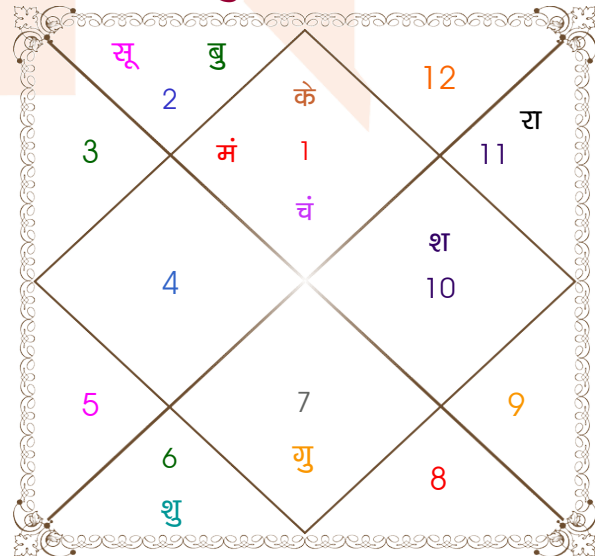
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाग्य पर भरोसा करेंगी, शत्रु दबे रहेंगे। मुकदमों में जीत होगी, पुत्र संतान जन्म से भाग्योदय होगा। ननिहाल/ससुराल से लाभ होगा, पिता/ससुर के रूतबे में कुछ उथल-पुथल का भय रहेगा। परपुरुष के साथ आपके संबंध बन सकते हैं मगर चाल-चलन ठीक रखें। सरकारी विभाग से लाभ होगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, ननद, जेठानी-देवरानी से झगड़ा न करें।
2. कर्ज और दान मुफ्त का माल न लेवें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धार्मिक कामों या धर्म से नफरत हो सकती है, विद्या संबंधित चिंता, लालच और खुदगर्जी आपको अवनति की राह पर ला सकती है इससे बचें। अपना भेद किसी को न बतायें भेदी ही आपकी तबाही का कारण हो सकता है। कन्या संतान की चिंता या बेटी/बहन/देवरानी-जेठानी, ननद को कष्ट हो सकता है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. धार्मिक कामों में अग्रणी रहें।
2. कभी-कभार पर्वतीय क्षेत्र की यात्रा जरूर करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पति/संतान की चिंता रहेगी। साहूकारी करना, ब्याज पर धन देना ठीक नहीं रहेगा। बल्कि आपके ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ सकता है। बिना-लिखा पढ़ी के कोई कार्य न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें विशेषकर पेट का। तंबोला/जुएं आदि में हानि का योग है, सट्टा-शेयर मार्किट के काम में आपको बच कर चलना होगा।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. घर में नीम का पेड़ गमले में लगायें।
2. चारपाई के सिरहाने रात को लोटे में पानी रख कर सुबह किसी कांटेदार पौधे में डालें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउंटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल/ससुराल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़की-बहन का विवाह अपने पिता के रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक-नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चाल-चलन खराब हो सकता है। चाल-चलन संभालना आप के लिये एक जरूरी चीज़ है। पिता/ससुर को कष्ट, सोने के आभूषणों की हानि, आंखों की नज़र कमजोर हो सकती है। किस्मत का फल कुछ मध्यम रहेगा। परिवार के लोगों की सेवा करना आपके लिए एक जरूरी कर्म होगा।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 10 में शुभ हैं जिसकी वजह से आपकी इस वर्ष कामशक्ति की अधिकता होगी। पति के साथ रहते कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी और आपको किसी प्रकार का दुःख नहीं झेलना पड़ेगा। पति का स्वास्थ्य लगभग ठीक रहेगा। आपमें लोभ और शक करने की भावना बढ़ सकती है। दस्तकारी के कामों से अधिक लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब-बीयर आदि न पियें, मछली न खावें।
2. आशिक मिजाज न बनें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर या माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष अगर आपका चाल-चलन खराब हुआ तो संतान को कष्ट होगा, गुर्दा रोग का भय रहेगा, श्वास या दमे का रोग उत्पन्न हो सकता है। चाल चलन ठीक रखें और दुश्चरित्र लोगों से दूर रहें वह आपके मान और सम्मान पर धब्बा लगा सकते हैं। गुरु/पिता/ससुर से झगड़ा करने हर तरफ हार व हानि होगी।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पिता/ससुर/गुरु की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- पहाड़ की सैर करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

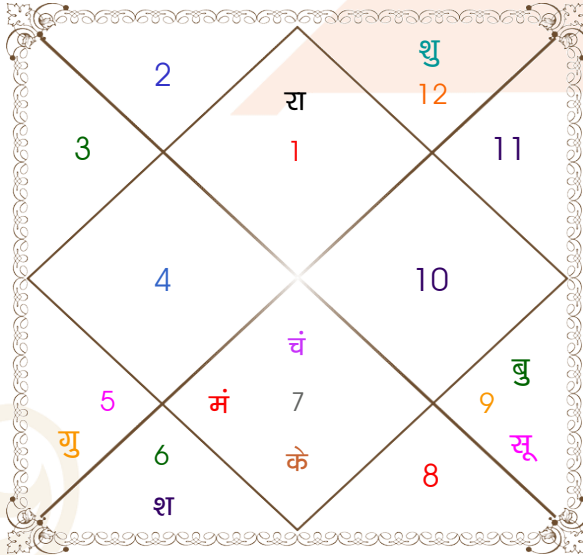
वर्तमान आयु - 43
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	मन्दा
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

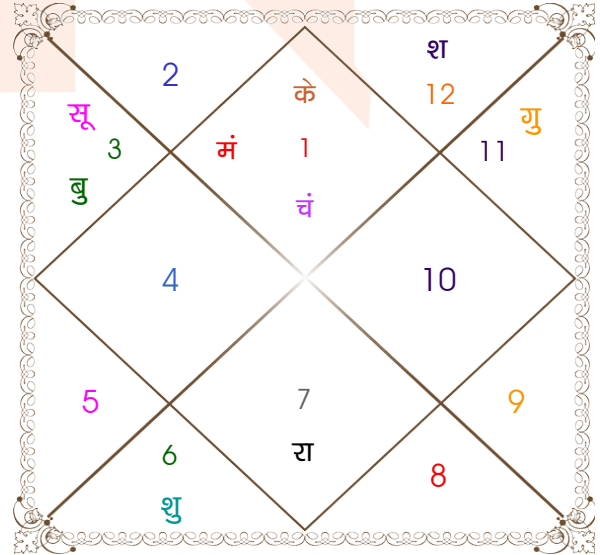
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	हाँ	--	हाँ	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष उत्तम वाहन का सुख मिलेगा, तीर्थ यात्रा का लाभ व शुभ फल मिलेगा। समाज और परिवार के लिये आपके मन में त्याग और परोपकार की भावनाएं भी रहेगी, परिवार/ससुराल के व्यक्तियों के पालन का अतिरिक्त भार आप पर हो सकता है। स्वपराक्रम से किस्मत का सितारा और भी बुलंद होगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान/गिफ्ट आदि न लेवें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों में अधिक सफलता नहीं मिलेगी। चाल चलन खराब रखेंगे तो धन हानि का कारण बनेंगे। दूध और पानी मोल बेचने से धन, परिवार या संतान की चिंता बढ़ेगी। पति से दूरी या संबंध विच्छेद का भय रहेगा। विदेश यात्रा या विदेश से संबंधित कामों में हानि का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध या पानी का दान करें।
2. इस वर्ष विवाह का योग हो तो विवाह से पहले पति के घर जाने से पहले अपने वजन के बराबर चावल या दरिया का पानी घर में कायम करायें।
3. शुद्ध ठोस चांदी घर में कायम रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब चाल-चलन से सम्बन्ध, आपकी जीवन नैया को मझधार में डुबा सकते हैं। बहन/बेटी, बुआ-ननद, का आपके घर आना या रहना आपके परिवार और उनके लिये अशुभ है इनको या आपको गृहस्थ सुख में कमी हो सकती है। झगड़े/फसाद से दूर रहें वरना आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बहन-बेटी/ ननद घर में हो या ब्याही हुई हों और आकर आपके घर में रहें तो इन्हें हर रोज सुबह चीनी या मिश्री खिलायें। यदि ब्याही हुई हों और जब वह वापिस अपने ससुराल जायें तो साथ मीठा/मिठाई जरूर दें।
2. भतीजा-भतीजी की सेवा करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर से दूरी या पिता/ससुर की चिंता रहेगी, पिता/ससुर का धन नाश हो सकता है। आपको जुबान से सम्बन्धित बीमारी हो ऐसी आशंका है। गृहस्थ और संतान के सम्बन्ध में कुछ परेशानी, हर काम में कदम-कदम पर आपको विचार करके चलना चाहिये। यात्रा से हानि का भय है, सतर्क रहें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गऊ घ्रास अर्थात् गाय-कुत्ते- कौवे को भोजन का हिस्सा दें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तरक्की हो या मान-सम्मान मिलेगा। वर्ष शुरू होते ही आपकी तरक्की होना शुरू हो जायेगी। इस वर्ष अगर आपके परिवार में लड़का पैदा होता है तो परिवार की अथाह तरक्की होना शुरू हो जाएगी। पिता-ससुर की मदद शक्की हो सकती है। वंश वृद्धि/संतान सुख प्राप्त होगा। लेखन द्वारा लाभ मिलेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. नाव के कामों से सम्बन्ध न रखें/ नाव में यात्रा न करें।
2. नास्तिक न बनें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष चाल-चलन ठीक रखें, यदि अनैतिक संबंध रखे तो इसका बुरा असर आपके पति पर पड़ेगा। पति की सेहत खराब होगी या पति से अच्छे संबंध न रहेंगे। पति से अच्छे संबंध बनाने की कोशिश करें वरना संतान की चिंता और धन हानि हो सकती है। धर्म-कर्म में भी मन नहीं लगेगा, रात्रि की नींद भी खराब होगी।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बछड़े सहित गाय दान करें।
2. देसी घी का दीया जलावें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें। नुक्कड़ के मकान में रिहाई हो तो आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग होने का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकार या सरकारी विभाग द्वारा लाभ, ननिहाल/ससुराल के लिये समय ठीक परिवार में किसी का नया कारोबार भी शुरू हो सकता है। आपमें कुछ करप्शन सोच आपके दिलो-दिमाग में आ सकती है। आपको हर समय बोलते रहने की आदत या बीमारी भी हो सकती है, इसका ध्यान रखें।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. आंगन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी झूठ बोलने की आदत हुई या परपुरुष से शारीरिक संबंध रखे तो वह रोग व हानि के सिवाय कुछ न देंगे। आपकी संतान ही आपको डुबो सकती है। झूठा वायदा करना आपको अवनति दे सकता है। आपको अभिमान नहीं करना चाहिए। सच बोलें किसी से झूठा वायदा न करें ऐसा करने से आपकी तरक्की होगी।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. 4 केले 4 दिन जल प्रवाह करें।
2. 4 नींबू (पीले) 4 दिन जल प्रवाह करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- वजन बराबर 9 गुणा 12 दरिया का पानी/चावल/चांदी घर में रखें ?

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

